स्वदेश

स्वदेश

अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी संगोष्ठी शुरु

राष्ट्रप्रेम के साथ वैश्विक दृष्टि रखते थे अटल जी

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी का उद्घोष करने वाले भारत माता के सपूत पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी पर राजधानी में दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी का आयोजन साहित्य अकादमी और अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। श्यामला हिल्स स्थित व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में पहले दिन तीन सत्रों में व्याख्यान हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलगुरु प्रो.खेमसिंह डहेरिया ने की। विशिष्ट वक्ता के रूप डॉ गोविन्द मिश्रा द्वारा राजनीति के स्तर के उन्नयन के लिए साहित्य के स्पर्श की आवश्यकता बतायी। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ माधव कौशिक के द्वारा करुणा के महत्व को रेखांकित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो खेमसिंह डहेरिया के द्वारा अटल जी की विश्वव्यापकता के साथ ही साथ सम्यक दृष्टि, उदारवादी चरित्र के साथ राष्ट्रीयता को महत्वपूर्ण बताया। तीन सत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में दयानंद पाण्डे के द्वारा संस्मरणों को साझा किया। लेखिका उर्मिला शिरीष के द्वारा आलेख वाचन प्रस्तुत किया। डॉ अलका प्रधान ने अटल जी पर प्रकाश डाला। डॉ विजय मनोहर तिवारी ने राजनीति की देह में पत्रकार की आत्मा विषय पर आलेख पढ़ा। डॉ संजय द्विवेदी के द्वारा अटल जी की लोकप्रियता के संबंध में उल्लेख किया।अंतिम सत्र में अध्यक्षता करते हुए डॉ प्रकाश बरतूनिया के द्वारा महत्वपूर्ण उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता चौबे, डॉ भावना खरे, बृजेन्द्र रिछारिया द्वारा किया गया।